प्राथमिक विद्यालय लखौरा,
विकास क्षेत्र-क्यारा, जनपद-बरेली (उ०प्र०)

नीता जोशी
(प्रधानाध्यापक)

चुनौतियाँ

- उपस्थिति
- छात्रों का अधिगम स्तर
- अभिभावक व स्थानीय समुदाय का विद्यालय के प्रति व्यवहार
- विद्यालय को अकादमिक संस्था के रूप में विकसित करना

प्रयास – चुनौतियाँ ही अवसर हैं

1. उपस्थिति कम रहना

- विद्यालय स्टाफ़, एस०एम०सी०, ग्राम प्रधान, जागरूक अभिभावकों के साथ समन्वय स्थापित कर उपस्थिति बढ़ाने हेतु रणनीति बनाना
- घर-घर संपर्क करना
- शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन करना
- विद्यालय में उपस्थिति 'P' व 'A' के स्थान पर उपस्थिति हस्ताक्षर

2. छात्रों का अधिगम स्तर कम होना

- विद्यालय स्टाफ़, ए०बी०आर०सी०, डायट मेन्टर आदि के साथ बैठक कर अधिगम स्तर बढ़ाने की रणनीति तैयार करना
- स्वयं का वृत्रिक विकास करना
- रचनावादी पथ-योजनाओं द्वारा कक्षा शिक्षण
- नवाचारी प्रार्थना सभा
- गतिविधि कक्ष विकसित करना

- पुस्तकालय का अभिनव प्रयोग
- स्मार्ट क्लास का संचालन
- स्टार किड्स कॉर्नर विकसित करना
- बाल संसद का गठन
- लर्निंग आउटकम आधारित शिक्षण कार्य

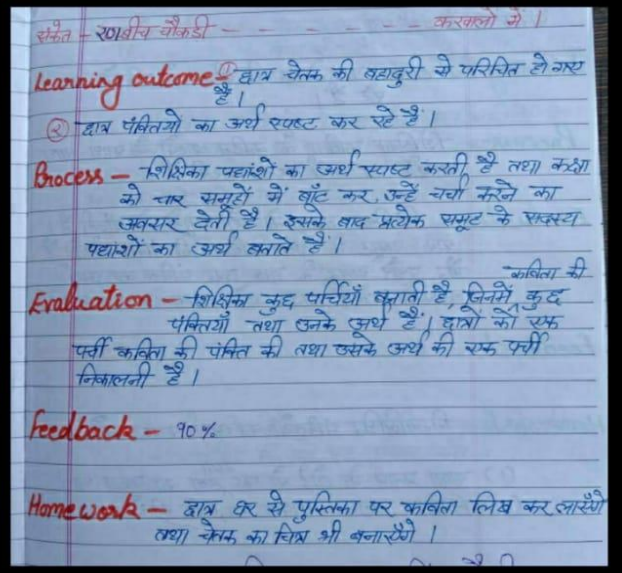

पुस्तकालय का अभिनव प्रयोग

3. अभिभावक व स्थानीय समुदाय का विद्यालय के प्रति उदासीन होना

- विद्यालय के विभिन्न कार्यक्रम- जन्मदिन, दादा-दादी दिवस, माता दिवस आयोजित कर अभिभावकों को आमंत्रित करना
- जन जागरूकता कार्यक्रम- मतदाता जागरूकता, जल संरक्षण, नारी सशक्तिकरण, स्वच्छता दिवस व पर्यावरण दिवस आदि में अभिभावकों को बुला कर जागरूक करना
- विद्यालय स्तर पर अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित कर अभिभावकों द्वारा बच्चों को सम्मानित करवाया
- स्वयंसेवी संस्थाओं को विद्यालय भ्रमण करवाना तथा उनके माध्यम से विद्यालय में आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करना

4. विद्यालय को अकादमिक संस्था के रूप में विकसित करने की चुनौती

- अधिगम सम्बन्धी निरंतर नवीन प्रयोग व प्रयास
- जिले पर क्रियान्वित नवीन प्रयासों के प्रयोग का केंद्र विद्यालय होना
- अकादमिक रिसोर्स पर्सन द्वारा नियमित रूप से विद्यालय भ्रमण कर नवीन जानकारी से अवगत करवाना
- शिक्षकों के साथ बैठक कर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, नवीन नवाचारों के प्रयोग सम्बन्धी अनुभव साझा करना व रणनिति बनाना
- विद्यालय के भौतिक परिवेश को शिक्षण अधिगम सामग्री के रूप में विकसित करना

अधिगम सम्बन्धी निरंतर नवीन प्रयोग व प्रयास

प्रयासों का प्रतिफल

- **उपस्थिति 30-40% से बढ़ कर 85-90% होना**

- **अधिगम स्तर में वृद्धि**
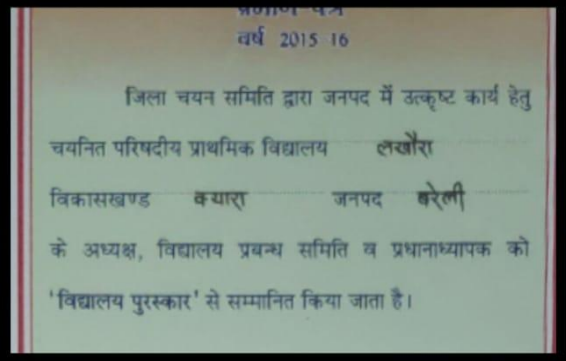
✔ शैक्षिक स्तर के मूल्यांकन हेतु कमिश्नर महोदय का विद्यालय दौरा
✔ यूनिसेफ टीम का भ्रमण
✔ पढ़े भारत-बढे भारत टीम का भ्रमण
✔ राज्य-संसाधन टीम का भ्रमण
✔ जिले के सर्वश्रेष्ठ विद्यालय के रूप में चयन
✔ शिक्षा में किये नवाचारों के परिणाम स्वरुप राज्यपाल पुरस्कार